OM-4- 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 26/04/2021 1:55 PM Page 4

शुजालपुर-म.प्र.। श्री रेवा ड्रीम्स कॉलोनी में अव्यक्त धाम का भूमि पूजन करते हुए मध्य प्रदेश शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार तथा ब्र.कु. शकुंतला बहन। साथ हैं ब्र.कु. भाई-बहनें।

बांसवाड़ा-राज.। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर अंकित कुमार को ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् ईश्वरीय साहित्य व प्रसाद देते हुए ब्र.कु. सरोज बहन।

पानीपत-ज्ञान मानसरोवर(हरियाणा)। 85वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. भारत भूषण,निदेशक,ज्ञान मानसरोवर। मंचासीन हैं मिसेज क्लासिक यूनिवर्स 2019-2020 की विजेता डॉ. रागिनी,चीफ मेडिकल ऑफिसर,मेडिकल कॉलेज,खानपुर कलां, राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी,सर्कल इंचार्ज,पानीपत, ब्र.कु. बिन्दु,न्यू प्रकाश नगर, ब्र.कु. रानी,सुखदेव नगर, ब्र.कु. ज्योति, ब्र.कु. ललिता तथा अन्य।

समस्तीपुर-बिहार। 85वें त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव के अवसर पर सम्बोधित करते हुए रविन्द्रनाथ त्रिपाठी,प्रधान न्यायाधीश,सहरसा। मंचासीन हैं राजयोगिनी ब्र.कु. रानी दीदी, दशरथ मिश्र,अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश,समस्तीपुर, डी.के. श्रीवास्तव,एम.डी.सुधा डेयरी, रामगोपाल सुरेका,प्रमुख उद्योगपति, ब्र.कु. सविता तथा ब्र.कु. कृष्ण।

झोझूकलां-कादमा(हरियाणा)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. वसुधा तथा ब्र.कु. ज्योति बहन को जिला प्रशासन द्वारा समाज में महिला सशक्तिकरण, बेटी बचाओ सशक्त बनाओ के साथ-साथ अनेक सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने पर जिला उपायुक्त राजेश जोगपाल,आई.ए.एस., महिला एवं बाल विकास अधिकारी गीता साहरण तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सारंगपुर-म.प्र.। महाशिवरात्रि महोत्सव के दौरान गौतम टेटवाल,पूर्व विधायक, विष्णु पाटीदार, आर.एस. अनिल दीक्षित,बार एसोसिएशन अध्यक्ष, ओ.पी. विजयवर्गीय,वरिष्ठ समाजसेवी, मांगीलाल सोलंकी दादाजी, ओम पुष्पद,माली समाज अध्यक्ष, ए.आर. पाटीदार,पाटीदार समाज अध्यक्ष आदि अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंट करने के पश्चात् उनके साथ हैं ब्र.कु. भाग्यलक्ष्मी।

इसे अपनायें और अपनी आंतरिक क्षमता को बढ़ायें

- ब्र.कु. उषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

हर घड़ी व्यक्ति को युद्ध करना पड़ता है। कभी हालातों से लड़ रहा है, कभी परिस्थितियों से लड़ रहा है, कभी समस्याओं से लड़ रहा है। और जब ये युद्ध करते-करते मनुष्य थक जाता है तब शायद वो भगवान से अपनी प्रार्थना में यही कहता है कि हे प्रभु ये संघर्ष कब तक! मुझे और आगे युद्ध नहीं करना है। युद्ध से कोई खुश नहीं है लेकिन फिर भी लड़ना पड़ रहा है। और युद्ध में उसकी सारी एनर्जी, सारी ऊर्जा नष्ट हो रही है। फिर भी उससे बाहर कैसे आये समझ नहीं पा रहा है। इसलिए व्यक्ति अपने जीवन के अन्दर अर्जुन की तरह निराश, हताश, उदास तनाव में आ जाता है। जिसे आज की भाषा में कहते हैं, डिप्रेशन की स्थिति। और ऐसे समय के लिए भगवान ने अर्जुन को गीता में भी सर्वप्रथम दूसरे अध्याय में ही आत्मा का ज्ञान दिया, योग सिखाया। और वो योग से धीरे-धीरे जहाँ हर अध्याय ही योग है, उस योग के अभ्यास से ही अपने अन्दर उस शक्ति और क्षमता को धारण करते हुए सशक्त हो गया। और हर युद्ध के लिए तैयार हो गया। जिसने फिर हर युद्ध को विजय में परिवर्तन कर दिया। ठीक इसी तरह मैं समझती हूँ कि हर युवा भी जीवन के हर संघर्ष में विजयी होना चाहता है, लेकिन वो विजयी तभी हो सकता है जिसने अपने भीतर की शक्ति को, क्षमता को बाहर अपने प्रैक्टिकल जीवन के अन्दर लाया हो। इसीलिए आध्यात्मिकता की आवश्यकता है। जिस तरह से आज शारीरिक रूप से देखा जाये, थोड़ा-सा मौसम चेंज होते ही मनुष्य के शरीर पर

एक छोटा-सा बच्चा जब स्कूल जाता है, कल एग्ज़ाम होता है तो बच्चा भी स्कूल से आकर कहता है कि कल एग्ज़ाम है मुझे टेंशन हो रही है। सोचने की बात है कि एक बच्चा एक एग्ज़ाम नहीं दे पा रहा है। उसमें वो टेंशन में आ जाता है,नर्वस हो जाता है। जो पढ़ा हुआ है वो सब भूल जाता है, ऐसा क्यों होता है?

असर पड़ता है। सर्दी, खांसी, बुखार आ जायेगा, डॉक्टर के पास जायेंगे और डॉक्टर से पूछेंगे कि ये सर्दी, बुखार मुझे क्यों हुआ? तो डॉक्टर शायद यही कह देगा कि वायरल है। ठीक हो जाओगे। ये एंटीबायोटिक ले लो। ये विटामिन ले लो। लेकिन कभी हमने ये सोचा कि आज जीवन के अन्दर थोड़ी बहुत भी परीक्षाएं आती हैं, परिस्थितियां आती हैं, समस्यायें आती हैं और जहाँ व्यक्ति को संघर्ष करना पड़ता है, वहाँ संघर्ष करते-करते वो टेंशन में आ जाता है, डिप्रेशन में आ जाता है। एक छोटा-सा बच्चा जब स्कूल जाता है, कल एग्ज़ाम होता है तो बच्चा भी स्कूल से आकर कहता है कि कल एग्ज़ाम है मुझे टेंशन हो रही है। सोचने की बात है कि एक बच्चा एक एग्ज़ाम नहीं दे पा रहा है। उसमें वो टेंशन में आ जाता है,नर्वस हो जाता है। जो पढ़ा हुआ है वो सब भूल जाता है, ऐसा क्यों होता है? जिस तरह से फिजिकल इम्युनिटी जब लो हो जाती है तो बाहर के वायरस अटैक करते हैं और हम वायरल फीवर के शिकार हो जाते हैं। ठीक इसी तरह जीवन के अन्दर जब ये प्रैक्टिकल परीक्षाएं आती हैं और जब हम भी आध्यात्मिक रूप से सशक्त नहीं होते हैं या फिर हम जिसको दूसरे शब्दों में कहें कि जब हमारी स्पिरिचुअल इम्युनिटी लो हो जाती है, आध्यात्मिक प्रतिरोधक शक्ति क्षीण हो जाती है तब छोटी-छोटी बातों में हम रियेक्ट करने लगते हैं, छोटी-छोटी बातों में गुस्सा आ जाता है। चिड़चिड़ापन आ जाता है। उदास हो जाते हैं। किसी ने कुछ कह दिया मूड ऑफ हो जाता है। किसी ने कुछ कह दिया सहन नहीं हुआ इतना गुस्सा कर लेते हैं कि बाद में सॉरी करना पड़ता है। ये क्यों हो रहा है। क्योंकि हमारी स्पिरिचुअल इम्युनिटी इतनी लो हो गई कि अब उसको वापिस बढ़ाने के लिए कोई विटामिन नहीं है जो हमें भीतर से सशक्त करे। इसीलिए एक आध्यात्मिकता ही है जो हमें भीतर से सशक्त कर सकती है। इसे अपनायें और अपनी आंतरिक क्षमता को बढ़ायें।

नवसारी-मरोली(गुज.)। शिव जयंती के अवसर पर मरोली गीता पाठशाला में आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. गीता दीदी,नवसारी, ब्र.कु. मुकेश बहन,मरोली, हेमलता बहन,नवनिर्वाचित जिला पंचायत सभ्य,महुवर विभाग-2,बीजेपी, अनीता बहन,नवनिर्वाचित जिला पंचायत सभ्य,मरोली बाज़ार,बीजेपी, पूना भाई,नव निर्माण हाई स्कूल,भुलका भवन स्कूल, एप्पल इंग्लिश स्कूल के ट्रस्टी, मान सिंह भाई,समाजसेवी तथा अन्य।

आहवा-डांग(गुज.)। विश्व क्षय दिवस पर डांग जिला आहवा क्षय केन्द्र द्वारा 'टीबी जन आंदोलन' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए जिला क्षय अधिकारी डॉ. पोल बसव, ब्र.कु. इना तथा अन्य।

नोहर-राज.। महाशिवरात्रि पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान ईश्वरीय स्मृति में नगर पालिका अध्यक्षा मोनिका जी, पार्षद ओमप्रकाश सोनी, भंवर लाल जोशी, समाजसेवी मोंटी चाचाण तथा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रेखा बहन।

त्रिपुरा-अगरतला। महाशिवरात्रि पर आयोजित नौ दिवसीय 'सेल्फ अवेयरनेस कैम्पेन' के दौरान स्थापित 42 फुट ऊँचे शिवलिंग दर्शन झाँकी में उपस्थित हैं स्यांदन न्यूज़पेपर के एडिटर, त्रिपुरा युनिवर्सिटी के वाइस चांसलर, माननीय मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी, राजयोगिनी ब्र.कु. कविता दीदी,चीफ होस्ट,ब्रह्माकुमारीज़,त्रिपुरा व बांगलादेश तथा अन्य।

ओम शान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें....

कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया
संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी,
पोस्ट बॉक्स न - 5, आबू रोड (राज.) 307510
सम्पर्क- M- 9414006096, 9414182088,
Email-omshantimedia@bkivv.org
सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक 200 रूपये, तीन वर्ष 600 रूपये,
आजीवन 4500 रूपये। विदेश - 2500 रूपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या
बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शांतिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।